

ग्रामीण व शहरी खिलाड़ियों को मिली सुविधाएँ :

एक तुलानात्मक अध्ययन

Annu Kumar

UGC Net in Physical Education

Rukhi, Sonipat, Haryana(India)

खिलाड़ी किसी भी राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण आयाम माना गया है। मगर ग्रामीण आंचल में रह रहे खिलाड़ियों एवं शहरी क्षेत्र दोनों का अध्ययन करें तो उन को प्राप्त विभिन्न प्रकार की क्रीड़ा सामग्री में काफी अंतर देखने को मिलता है। इस अध्याय में इसी तथ्य का विस्तृत अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ग्रामीण क्षेत्र व शहरी खिलाड़ी दोनों को समान सुविधाएँ प्राप्त हैं या फिर अंतर है। अगर है तो किस प्रकार इन में सुधार करके खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ओर बेहतर बनाया जा सकता है कि विस्तृत व्याख्या इस अध्ययन में की गई है।

मुख्य शब्द :

ग्रामीण व शहरी खिलाड़ी, आधारभूत सुविधाएँ, प्रदर्शन।

परिचय :

खेलों को जीवन का एक अभिन्न अंग माना गया है और खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा करने पर राष्ट्र गौरवान्वित होता है। इसमें चाहे वे खिलाड़ी शहरी आंचल से हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र से। इसलिए सभी खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं का ध्यान रखना अनिवार्य है ताकि हमारे खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय स्तर और स्थानीय स्तर सभी में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मगर आज ये आवश्यक नहीं है कि खिलाड़ी शहरी क्षेत्र से ही होगा। आज हमारे देश में ग्रामीण क्षेत्र से ज्यादा खिलाड़ी उभर कर सामने आते हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी उत्तम होता है। मगर उनको प्राप्त सुविधाएँ काफी कम होती हैं इसलिए इन खेलों को बेहतर बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी बेहतर सुविधाएँ मुहैया करवानी चाहिए ताकि खिलाड़ी और अच्छे से अपनी प्रतिभा को निखार सकें।

अध्ययन का उद्देश्य :

खिलाड़ी किसी भी राष्ट्र को सम्मान दिलाने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए इस अध्ययन के कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्य इस प्रकार से हैं :-

1. शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्राप्त विभिन्न प्रकार की सुविधाओं की तुलना करना।

2. खिलाड़ियों की संतुष्टि का विश्लेषण करना।

आंकड़ा संकलन एवं विश्लेषण :-

इस अध्ययन हेतु प्राथमिक आंकड़ों को एकत्रित किया गया है जिसमें 6 गाँवों से लगभग 300 खिलाड़ियों से प्रश्नावली के माध्यम से उनकी सुविधाओं को जानने का प्रयास किया गया है।

विषय	सहमत	असंतुष्ट	संतुष्ट	कुल
खिलाड़ी	0	18.67	81.13	100
कोच	1	16	83	100
जनसाधारण	4	14.67	81.33	100
कुल	1.6	16.4	82	100

खिलाड़ियों का सर्वेक्षण	Calculated Value	d. f.	Tabulated Value	Renew Value
	3.32	4	9.488	

सारणी में खिलाड़ियों को मिली सुविधाओं का विश्लेषण दिखाया गया है जिसमें गणना मूल्य 3.52 है जोकि सारणी मूल्य (9.488) से 0.05 संतुष्टि स्तर से कम है जो हमारी संकल्पना खिलाड़ियों को मिली मूलभूत सुविधाओं से संतुष्ट है को नकारती है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को मिली सुविधाओं में अत्यंत सुधार की आवश्यकता है।



चित्र : 1

चित्र संख्या 1 यह प्रदर्शित करता है कि सर्वेक्षण के दौरान केवल 1.6 प्रतिशत लोग ही सहमत हैं जबकि 16.4 प्रतिशत कुछ नहीं जवाब दे पाए जबकि 82 प्रतिशत असहमत हैं। इसलिए खेल प्रतिभा के स्तर को सुधारने की अत्यंत आवश्यकता है।

Majaor finding :

विस्तृत अध्ययन के बाद कुछ महत्वपूर्ण तथ्य उभर कर सामने आए हैं—

1. ग्रामीण खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाओं का अभाव मिलता है।
2. केवल 1.6 प्रतिशत लोग ही सुविधाओं से सहमत हैं जबकि 82 प्रतिशत लोग संतुष्ट हैं और केवल 16.4 प्रतिशत लोग कोई भी जवाब देने में सक्षम नहीं है।
3. ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहरी क्षेत्र के लोगों की तुलना में काफी अंतर है जिसमें शहरी क्षेत्रों की तुलना में काफी समस्याओं का समना करना पड़ता है।

महत्वपूर्ण सुझाव :-

ग्रामीण खिलाड़ियों की प्रतिभा को उभारने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता है, जो इस प्रकार है:-

1. खिलाड़ियों को उचित सुविधाएँ मुहैया करवाई जानी चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकें।
2. ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जागरूक किया जाए ताकि अपने खिलाड़ी, जो प्रतिभा के धनी हैं। वे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकें।
3. जो सुविधा शहरी आँचल में है वही ग्रामीण आँचल को प्रदान करें जर्जर व्यवस्था वाले क्षेत्रों को चुने, उनका निरीक्षण करें और उनमें सुधार करें।
4. अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर खेल संस्थानों का निरीक्षण एवं खिलाड़ियों से समस्या जानकर उनमें सुधार का प्रयास किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष :-

सम्पूर्ण विश्लेषण के बाद एक महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है कि खिलाड़ियों खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्र में जो मूलभूत सुविधाओं का अभाव है उनमें सुधार करना चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के सहयोग खिलाड़ियों को अपने बेहतर प्रदर्शन में सहयोग मिल सकें और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना और अच्छा प्रदर्शन कर राष्ट्र को गौरवान्वित कर सकें।

सन्दर्भ-ग्रंथ-सूचि :

1. एस. सी. मिश्रा, हैल्थ एण्ड फिलिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
2. एस. एस. राय व रविन्द्र राय, मार्डन लिविंग हैल्थ एण्ड फिटनेस, आर्थर प्रैस, दिल्ली, 2001
3. हनुमन्त आर. अफैक्ट ऑफ योग व्यायाम विज्ञान, 2014
4. <http://hi.wikipediaor2>
5. <http://hindi.webdumia.com/402asam>
6. पतंजलि योगासन-2008